



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, वीरवार, 12 अक्तूबर, 2006/20 आश्विन, 1928

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 12 अक्तूबर, 2006

संख्या एल० एल० आर०-डी०(६)-२०/२००६-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 10-10-2006 को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन)

---

2219-राजपत्र/2006-12-10-2006-1,521.

(5259)

मूल्य : 1 रुपया।

विधेयक, 2006 (2006 का विधेयक संख्यांक 15) को वर्ष 2006 के अधिनियम संख्यांक 20 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,  
सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,  
प्रधान सचिव (विधि)।

## हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2006

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 10 अक्टूबर, 2006 को यथाअनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का 4) का  
और संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के सत्तावनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा  
द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संक्षिप्त नाम।  
(संशोधन) अधिनियम, 2006 है।

2. हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (जिसे इसमें धारा 2 का  
इसके पश्चात् 'मूल अधिनियम' कहा गया है) की धारा 2 में, खण्ड (6) के संशोधन।  
पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"(6-क). "पशु" से पालतू पशु अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत  
हाथी, ऊंट, भैंसें, गाएं, बैल, घोड़े, घोड़ियां, खस्सी, टट्टू, बछेड़े,  
बछेड़ियां, खच्चरें, गधे, सुअर, मेंढे, भेड़ें, मेष, मेमने, बकरियां और  
बकरियों के बच्चे भी हैं;"।

3. मूल अधिनियम की धारा 11 के पश्चात्, निम्नलिखित धारा धारा 11-क  
अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—  
अन्तःस्थापन।

"11-क. पशुओं का रजिस्ट्रीकरण और उसके लिए अभिलेख का  
अनुस्मरण.—(1) प्रत्येक परिवार का मुखिया, हिमाचल प्रदेश पंचायती  
राज (संशोधन) अधिनियम, 2006 के प्रारम्भ से एक मांस की अवधि  
के भीतर और तत्पश्चात् समय-समय पर, किसी भी कारण से  
पशुओं की संख्या में कभी कोई परिवर्तन होता है, उसके परिवार के  
स्वामित्वाधीन पशु का विवरण या तो मौखिक रूप में या लिखित

रूप में सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रधान या पंचायत सचिव को देने के लिए या दिलवाने के लिए उत्तरदायी होगा।

(2) उप-धारा (1) के अधीन पशुओं के ब्यौरों की प्राप्ति पर, ग्राम पंचायत पशुओं को रजिस्ट्रीकृत करेगी और उसके अभिलेख ऐसे प्ररूप में रखेगी, जैसा राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाए :

परन्तु ग्राम पंचायत ऐसी दर पर रजिस्ट्रीकरण फीस प्रभारित कर सकेगी जैसी ग्राम पंचायत द्वारा नियत की जाए।

(3) ग्राम पंचायत का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रत्येक पशु पर समुचित पहचान चिन्ह लगाने के लिए पशु पालन विभाग द्वारा रखे गए कर्मचारियों या व्यक्तियों की सहायता करे और पहचान के अभिलेख को बनाए रखे।

(4) प्रत्येक ग्राम पंचायत का यह कर्तव्य होगा कि वह उसकी अधिकारिता के भीतर भटकते (आवारा) पशुओं की पहचान कराने में पशुपालन विभाग के कर्मचारियों या प्रतिनिधियों की सहायता करे।

(5) पहचान चिन्ह वाला कोई पशु यदि भटकता (आवारा) पाया जाता है, तो पशु के स्वामी की पहचान ग्राम पंचायत स्वयं द्वारा बनाए रखे अभिलेख से करेगी और ऐसा स्वामी प्रथम अपराध के लिए तीन सौ रुपये और द्वितीय या पश्चात्तर्वर्ती अपराध की दशा में पांच सौ रुपये के जुर्माने से दण्डनीय होगा जो ग्राम पंचायत द्वारा अधिरोपित किया जाएगा।

(6) यदि ग्राम पंचायत ऐसे भटकते (आवारा) पशु की पहचान चिन्ह के साथ छेड़छाड़ या उसको विकृत करने के कारण पहचान करने में असफल रहती है तो वह ऐसे मामले की रिपोर्ट नजदीकी पशुपालन औषधालय के प्रभारी को करेगी जो भटकते (आवारा) पशु को नजदीकी गौसदन या गौशाला को सौंपेगा।”।

**AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT**

**Act No. 20 of 2006**

**THE HIMACHAL PRADESH PANCHAYATI RAJ  
(AMENDMENT) ACT, 2006**

**(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 10TH OCTOBER, 2006)**

**AN**

**ACT**

*further to amend the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994  
(4 of 1994).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of the Himachal Pradesh in the Fifty-seventh Year of the Republic of the India, as follows:—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Amendment) Act, 2006. Short title.

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (hereinafter referred to as the 'principal Act'), after clause (6), the following clause shall be added, namely :— Amendment of section 2.

“(6-A). “cattle” means domestic animals and includes elephants, camels, buffaloes, cows, oxen, horses, mares, geldings, ponnies, colts, fillies, mules, asses, pigs, rams, ewes, sheep, lambs, goats and kids;”.

3. After section 11 of the principal Act, the following section shall be inserted, namely :— Insertion of section 11-A.

“11-A. *Registration of cattle and maintenance of record therefor.*—(1) Head of every family shall be responsible to give or cause to be given, either orally or in writing, the details of cattle owned by his family to the concerned Pradhan or the Panchayat Secretary of the Gram Panchayat, within a period of one month from the commencement of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Amendment) Act, 2006, and thereafter every time as and when any change in the number

of cattle takes place by any reasons.

(2) On receipt of the details of cattle under sub-section (1), the Gram Panchayat shall register cattle and shall maintain records thereof in such form as may be notified by the State Government :

Provided that the Gram Panchayat may charge registration fee at such rate as may be fixed by the Gram Panchayat.

(3) It shall be the duty of the Gram Panchayat to assist the officials or persons engaged by the Animal Husbandry Department for applying appropriate identification mark on each cattle and to maintain the record of identification.

(4) It shall be the duty of every Gram Panchayat to assist the officials or representatives of the Animal Husbandry Department in identifying the stray cattle within its jurisdiction.

(5) If any cattle with identification mark is found stray, the owner of the cattle shall be identified by the Gram Panchayat from the record maintained by it and such owner shall be liable to a fine of three hundred rupees for the first offence and five hundred rupees in the event of second or subsequent offence, which shall be imposed by the Gram Panchayat.

(6) If the Gram Panchayat fails in identifying such stray cattle due to tampering with identification mark or mutilation thereof, it shall report the matter to the Incharge of the nearest Animal Husbandry Dispensary who shall lodge the stray cattle to the nearest Gosadan or Goshala.”